युवा

आज का दिन 1914 में रूस ने पूर्वी प्रशिया (जर्मनी का एक प्रांत) पर हमला किया।

आईआईटी बीएचयू टॉप टेन शिक्षण संस्थानों में होगा शुमार

वाराणसी | निज संवाददाता

प्राथमिकता

- नवनियुक्त निदेशक प्रो. पीके जैन ने कहा, स्टार्टअप पर होगा फोकस
- समाज के लिए उपयोगी आविष्कार की दिशा में बीएचयू का संस्थान

आईआईटी बीएचयू के नवनियुक्त निदेशक प्रो. पीके जैन ने कहा कि दुनिया के 100 व देश के 10 तकनीकी संस्थानों में जगह बनाने का प्रयास किया जाएगा। इसके लिए शिक्षकों कर्मचारियों व विद्यार्थियों को सहयोग करना होगा। वह सोमवार को संस्थान में मीडिया से मुखाबित थे। कहा कि समाज के लिए उपयोगी अविष्कार के साथ ही स्टार्टअप पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। क्योंकि आज यह सबसे बड़ी जरूरत है कि तकनीकी शिक्षण संस्थानों में जो कुछ भी हो वह समाज के लिए उपयोगी हो। प्रयास होगा कि युवा जॉब करने वाले ही नहीं बल्कि जॉब देने वाले बनें।

प्रो. जैन ने कहा कि संस्थान को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी दक्षता साबित करनी होगी। इसके लिए शोध, शिक्षण तथा अविष्कार कीं जरूरत होगी। स्टार्टअप को विकसित करने पर विशेष फोकस किया जाएगा। अब तकनीकी शिक्षा वैश्विक हो चुकी है।

इस स्थिति में हम कितना जानते हैं, से ही काम नहीं बनेगा बल्कि इसे सिद्ध करना होगा। तकनीकी युवाओं को अपनी क्षमता तथा ज्ञान को समाज के समाने प्रस्तुत करना होगा। उन्होंने कहा कि बीते चार साल से रैंकिंग शुरू हुई है। इसके लिए शैक्षणिक वातावरण के साथ आधारभूत संरचना पर भी गौर किया जाता है। इसलिए अपनी छवि को भी बनाना रैंकिंग के लिए महत्वपूर्ण है। प्रो. जैन ने कहा कि संस्थान को वैश्विक पहचान दिलाने के लिए पुरातन छात्रों की भी मदद ली जाएगी। आईआईटी बीएचयू का पुरातन छात्र सेल बहुत ही विशाल है। महाना की दृष्टि के अनुसार छात्र-छात्राओं को मूल्यपरक शिक्षा देने तथा नैतिक बल प्रदान करने की दिशा में काम किया जाएगा। इस अवसर पर आईआईटी के रजिस्ट्रार एसपी माथुर, प्रो. गंगा राम, प्रो. आरएस सिंह उपस्थित थे।

हिन्दुस्तान समाचार– 07.08.2018